



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 184] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 11, 1985/चैत्र 21, 1907  
No. 184] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 11, 1985/CHAITRA 21, 1907]

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिमूचना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1985

का. आ. 301 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण)  
अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त  
शक्ति का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिमूचना सं.  
का. आ. 160 (अ), तारीख 19 मार्च, 1984 को, जो कि उक्त अधिनियम की  
धारा 3 के अधीन जारी की गई थी और जिसके द्वारा आल इंडिया गिल्ड स्ट्रूट्स  
फंडेशन को विधिविरुद्ध संगम धारित किया गया था, रद्द करती है।

[फा. सं. 2/17017/24/85-आइ. एस. (यू. एस डी.-2)]

एम. सुन्दरराजन, जंवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 1985

S.O. 301(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (57 of 1967), the Central Government hereby cancels the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 169(E), dated the 19th March, 1984, issued under section 3 of the said Act declaring "the All India Sikh Students Federation" to be an unlawful association.

[F. No. II/17017/24/85-IS(US D. II)]

S. SUNDARARAJAN, Under Secy.